

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad (formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009 SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006 Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in



NEWS CLIPPING: 31.07.2020

PUNJAB KESARI

जेसी बोस विश्वविद्यालय में अब शोधार्थियों को मिलेगी प्रति माह 35,000 रुपए फेलोशिप

📕 एआईसीटीई ने डॉक्टोरल 📕 देश के २६ तकनीकी संस्थानों फेलोशिप योजना के तहत आवटित की सीटें

इस योजना के तहत सीटों के आवंटन से तकनीकी अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा किये जा रहे प्रयासों को बल मिलेगा। विश्वविद्यालय द्वारा शोध को बढावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं, जिसमें रिसर्च प्रमोशन बोर्ड का गठन, अनुसंधान परियोजनाओं के लिए संकाय सदस्यों को सीड मनी देना, हाई-साइटेड इंडेक्स के शोध जर्नल में शोध पत्र प्रकाशन को बढ़ावा देने के लिए पुरस्कार नीति, प्रमुख अनुसंधान प्रयोगशालाओं और उद्योगों के साथ समझौते तथा 6 करोड़ रुपये से अधिक की लागत के उन्नत अनुसंधान उपकरणों की खरीद शामिल हैं। हाल

को आवंटित हुई है ३०० सीटें 📕 विश्वविद्यालय को मिली ७ सीटें

लिए दी जाएगी फेलोशिप डन क्षेत्रों को किया गया शामिल

📕 नई प्रौद्योगिकी के उभरते

क्षेत्रों में अनुसंधान के

योजना के अंतर्गत शोध के लिए जिन प्रमुख क्षेत्रों को शामिल किया गया है, उनमें ग्रीन टेक्नोलॉजी, बिग डेटा, मशीन लर्निंग, डेटा साइंस, ब्लॉक चेन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, एनर्जी प्रोडक्शन एंड स्टोरेज, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड फोटोनिक्स, न्युक्लियर इंजीनियरिंग एंड एलाइड टेक्नोलॉजीज, रोबोटिक्स और मेक्ट्रोनिक्स, ऑगमेंटिड रियलिटी व वर्चुअल रियलिटी, एनर्जी एफिशियेंसी, रिन्यूएबल व सस्टेनेबल एनर्जी, इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड मोबिलिटी, स्मार्ट सिटीज, हाउसिंग एंड ट्रांसपोर्टेशन, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, उडी प्रिंटिंग, क्वांटम क प्युटिंग, कृषि तथा खाद्य उद्योग के लिए स्मार्ट टेक्नोलॉजी, जल शोधन, संरक्षण और प्रबंधन, पब्लिक पोलिसी, सामाजिक और संगठनात्मक मनोविज्ञान और व्यवहार और साइबर सिक्योरिटी जैसे उभरते तकनीक के क्षेत्र शामिल हैं।

ही में विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों के प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एक इनोवेटिव आइडिया तथा स्टार्ट-अप को इन्क्यूबेशन सेल की स्थापना की है।

3 साल के लिए होगी फेलोशिप

योजना के अंतर्गत चिह्नित क्षेत्रों में शोध के लिए विश्वविद्यालय द्वारा दाखिल शोधकर्ताओं को तीन साल की अवधि के लिए फेलोशिप प्रदान की जाएगी, जिनका कार्यकाल प्रदर्शन के आधार पर विश्वविद्यालय की सिफारिश पर एक वर्ष तक बढाया जा सकता है । शोध कार्य के लिए चयनीत शोधार्थी को पहले दो वर्षो के लिए 31,000 रुपये प्रति माह और तीसरे वर्ष के लिए 35,000 रुपये प्रति माह की फेलोशिप, सरकार के मानदंडों के अनुसार हाउस रेंट अलाउंस (एचऑरए) और आकस्मिक खर्चों के लिए 15,000 रुपये प्रति वर्ष अनुदान के रूप में मिलेंगे। फेलोशिप के तहत चयनित रिसर्च स्कॉलर के लिए चयन के एक वर्ष के भीतर पीएचडी में पंजीकरण करवाना अनिवार्य होगा।

अनुसंधान और स्टार्ट-अप को बढावा देने के जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के प्रयासों को एक बडा प्रोत्साहन मिला है। विश्वविद्यालय को अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) ने 'एआईसीटीई डॉक्टोरल फेलोशिप (एडीएफ)' योजना के तहत सीटें आवंटित की हैं। अकादमिक संस्थानों तथा उद्योगों के बीच सहयोगात्मक अनुसंधान को बढ़ावा देना और तकनीकी अनुसंधान के लिए प्रतिभाओं को पोषित करने के उद्देश्य से एआईसीटीई ने देशभर में 26 तकनीकी विश्वविद्यालयों को आवंटित कुल 300 सीटों आवंटित की है, जिसमें विश्वविद्यालय को सात सीटें मिली हैं।

फरीदाबाद, 30 जुलाई (पुजा शर्मा):

इस संबंध में जानकारी देते हए कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने कहा कि

पंजाब केसरी Fri,31 July 2020 ई-पेपर Edition: faridabad kesari, Page no. 3



J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad (formerly YMCA University of Science and Technology) A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009 SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in



NEWS CLIPPING: 31.07.2020

PIONEER

शोधार्थियों को मिलेगी 35 हजार रुपये तक को फल

एआईसीटीई ने डॉक्टोरल फेलोशिप योजना के तहत आवंटित की सीटें

देशभर में 26 तकनीकी विश्वविद्यालयों कुल 300 सीटों में से सात की है आवंटित

লকগীকা

पायनिचर समाचार सेवा। फरीदावाद

अनुसंधान और स्टार्ट-अप को 26 तकनीकी विश्वविद्यालयों को बहावा देने के जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय. वाईएमसीए, फरीदाबाद के प्रथासीं सीटें मिली हैं। इस संबंध में जानकारी

शिक्षा বহিন্দ (एआईसीटीई) ने 'एआईसीटीई डॉक्टोरल फेलोशिप (एडीएफ) योजना के तहत सीटें आवॉटत की हैं। अकादमिक संस्थानी तथा उद्योगों के बीच सहवोगात्मक अनुसंधान को बहावा देना और तकनीको अनुसंधान के लिए प्रतिभाओं को पोषित करने के उद्देश्य से एआईसीटीई ने देशभर में

आवंटन से तकनीको अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए आवंटित कुल 300 सीटी आवंटित विश्वविद्यालय द्वारा किये जा रहे की है, जिसमें विश्वविद्यालय को सात प्रयामों को बल मिलेगा। विश्वविद्यालय द्वारा सोध को बढावा



अनसंधान परियोजनाओं कें संबाय सदस्यों को सीह मनी देना, हाई-साइटेह इंडेक्स के शोध जर्नल में शोध पत्र प्रकाशन को बहावा देने के लिए पुरस्कार नीति, प्रमुख अनुसंधान

अधिक को लागत के उनत अनुसंधान उपकरणों को खरीद शामिल हैं। योजना के अंतर्गत चिह्नित क्षेत्रों में शोध के लिए विश्वविद्यालय द्वारा दाखिल शोधकर्ताओं को तौन साल को अवधि के लिए फेलोशिप प्रदान কা আজ্মী, জিনকা কাৰ্যকাল চুহাইন के आधार पर विश्वविद्यालय को **लिग** सिफारिश पर एक वर्ष तक बढाया जा सकता है। शोध कार्य के लिए चवनीत शोधार्थी को पहले दो वर्षों के लिए 31 000 रुपये प्रति माह और तीसरे वर्ष के लिए 35,000 रुपये प्रति प्रयोगशालाओं और लड़ोगों के साथ भार को फेलोडिय, सरकार के अनुसार, उम्मीदवार की समझीते तथा 6 करोड़ रुपने से मानदंडों के अनुसार हाउस रेंट वर्ष से कम होनी चाहिए।

अलाउंस (एचआरए) आकस्मिक खर्चों के लिए 15,000 रुपये प्रति वर्ण अनुदान के रूप में मिलेंगे। फेलोशिप के तहत चयनित रिसर्च स्कॉलर के लिए चयन के एक वर्ष के भीतर पौएचडी में पंजीबरण करवाना अनिवायं होगा। यदि कोई उम्मीदवार एक वर्ष तक पीएचडी में पंजीकरण करवाने 뉩 विफल रहता है तो तो पीएचडी के लिए पंजीकरण होने तक फेलोशिप बंद कर दी जायेगी। फेलोशिप के लिए निर्धारित पात्रता मानदंह के अनुसार, उम्मीदवार को आखु 30